Result Mitra
दैनिक जागरण
The Indian EXPRESS
JOURNALISM OF COURAGE
दैनिक भास्कर
THE HINDU
जनसत्ता
Daily
CURRENT
AFFAIRS
IAS/PCS
अब होगी करंट अफेयर्स की राह आसान
08 January

Quote of the Day

Result Mitra

अगर ख्वाईश कुछ अलग करने की है तो दिल और दिमाग के बीच बगावत लाजमी है।

Result Mitra

तमिलनाडु में मिली एक और सिंधु घाटी सभ्यता

तमिलनाडु में मिली एक और सिंधु घाटी सभ्यता

Result Mitra

- तमिलनाडु में हाल ही में की गई पुरातात्विक खुदाई में सिंधु घाटी सभ्यता से मिलते-जुलते भित्तिचित्र चिह्न मिले हैं। तमिलनाडु पुरातत्व विभाग के अनुसार, इन स्थलों पर पाए गए लगभग 90% भित्तिचित्र चिह्न सिंधु सभ्यता के प्रतीकों से समानता रखते हैं।

तमिलनाडु में मिली एक और सिंधु घाटी सभ्यता

Result Mitra

- तुत्तुकुडी जिले के शिवगलाई स्थल पर खुदाई के दौरान 700 से अधिक कलाकृतियां मिली हैं, जिनमें मिट्टी से बने सूत कातने के उपकरण, धूम्रपान के लिए मिट्टी की पाइप, कांच की चूड़ियां और शंख शामिल हैं।
- इनमें से एक दफन कलश में धान का भूसा पाया गया, जिसकी कार्बन डेटिंग से पता चला कि यह लगभग 3,200 वर्ष पुराना है।

डिकोड — पढ़ना

तमिलनाडु में मिली एक और सिंधु घाटी सभ्यता

Result Mitra

- तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने सिंधु घाटी सभ्यता की लिपि को डिकोड करने वाले व्यक्ति को 1 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 8.57 करोड़ रुपये) का पुरस्कार देने की घोषणा की है।
- यह लिपि अभी तक पूरी तरह से समझी नहीं जा सकी है, और इसे डिकोड करने से प्राचीन सभ्यताओं के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है।

तमिलनाडु में मिली एक और सिंधु घाटी सभ्यता

Result Mitra

- इन खोजों से संकेत मिलता है कि तमिलनाडु में एक प्राचीन सभ्यता का विकास हुआ था, जो सिंधु घाटी सभ्यता के समानांतर अस्तित्व में थी। हालांकि, इन दोनों सभ्यताओं के बीच संबंध स्थापित करने के लिए और अधिक शोध की आवश्यकता है।

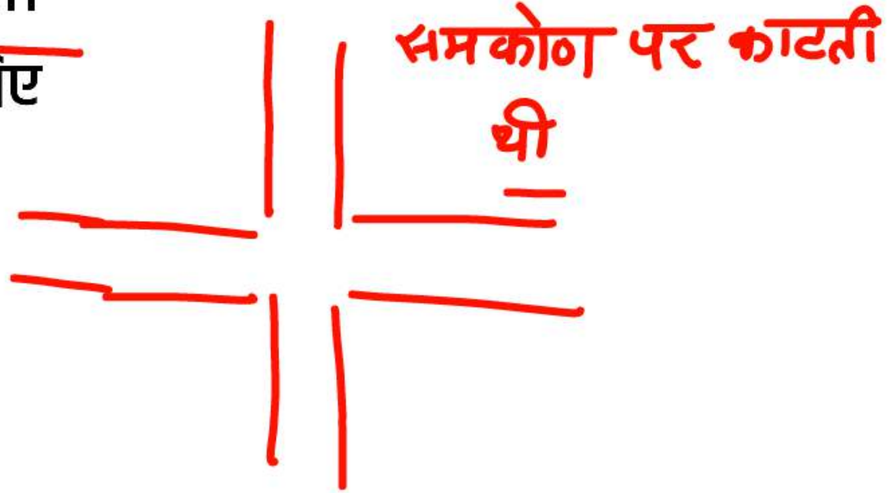

सिंधु घाटी सभ्यता

- सिंधु घाटी सभ्यता को हड़प्पा सभ्यता के नाम से भी जाना जाता है और यह ग्रिड प्रणाली पर आधारित व्यवस्थित योजना के लिए प्रसिद्ध है।
- सिंधु घाटी सभ्यता एक कांस्य युगीन सभ्यता थी जो आज के उत्तर-पूर्वी अफगानिस्तान से पाकिस्तान और उत्तर-पश्चिम भारत तक फैली हुई थी। यह सभ्यता सिंधु और घग्गर-हकरा नदी के घाटियों में फली-फूली।

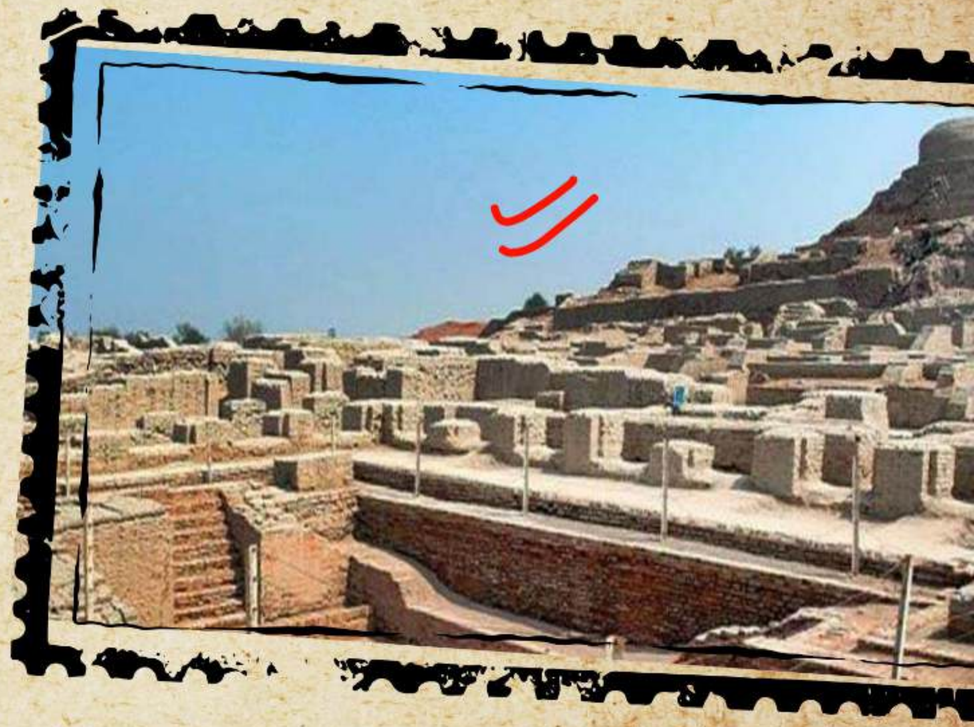

सिंधु घाटी सभ्यता

सिंधु घाटी सभ्यता में सात महत्वपूर्ण शहर हैं –

1. मोहनजोदड़ो
2. हड़प्पा
3. कालीबंगा
4. लोथल
5. चन्हुदरू
6. धोलावीरा
7. बनावली

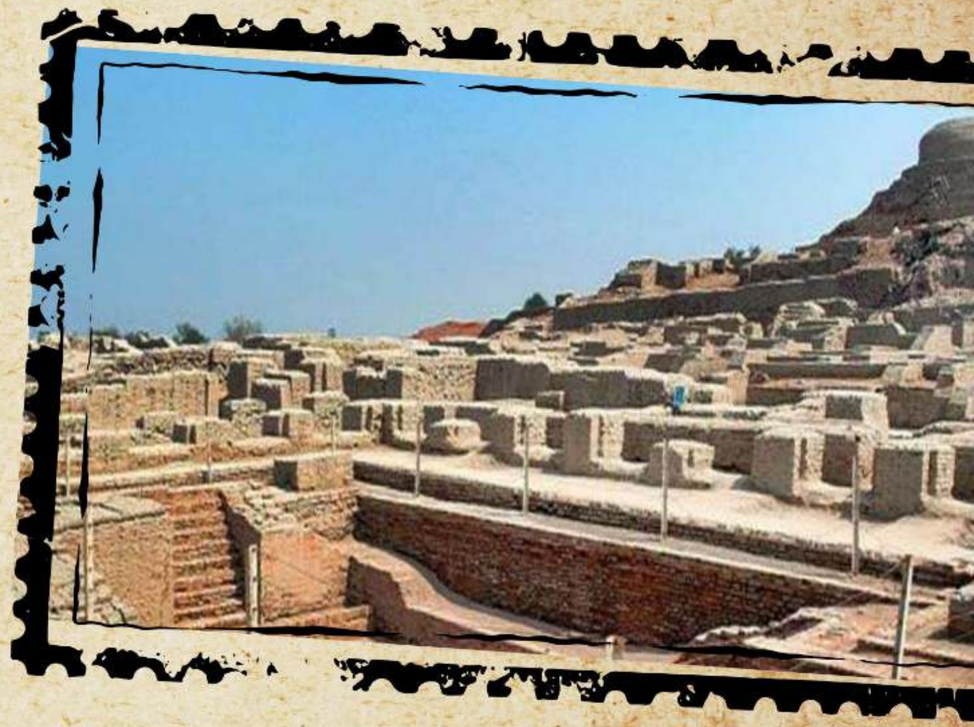

सिंधु घाटी सभ्यता

1. मोहन जोदड़ो

- मोहन जोदड़ो को सिन्धी भाषा में 'मुर्दों का टीला' भी कहा जाता है। इसे नियोजित रूप से बसा हुआ विश्व का सबसे प्राचीन शहर माना जाता है। सिंधु घाटी सभ्यता में मोहनजोदड़ो सबसे परिपक्व शहर था।
- यह शहर सिंधु नदी के किनारे सक्खर जिले में बसा हुआ था। इसकी खोज साल 1922 में राखालदास बनर्जी (R D Banerjee) ने की थी। मोहन जोदड़ो शब्द का सही उच्चारण है 'मुअन जो दड़ो' है।

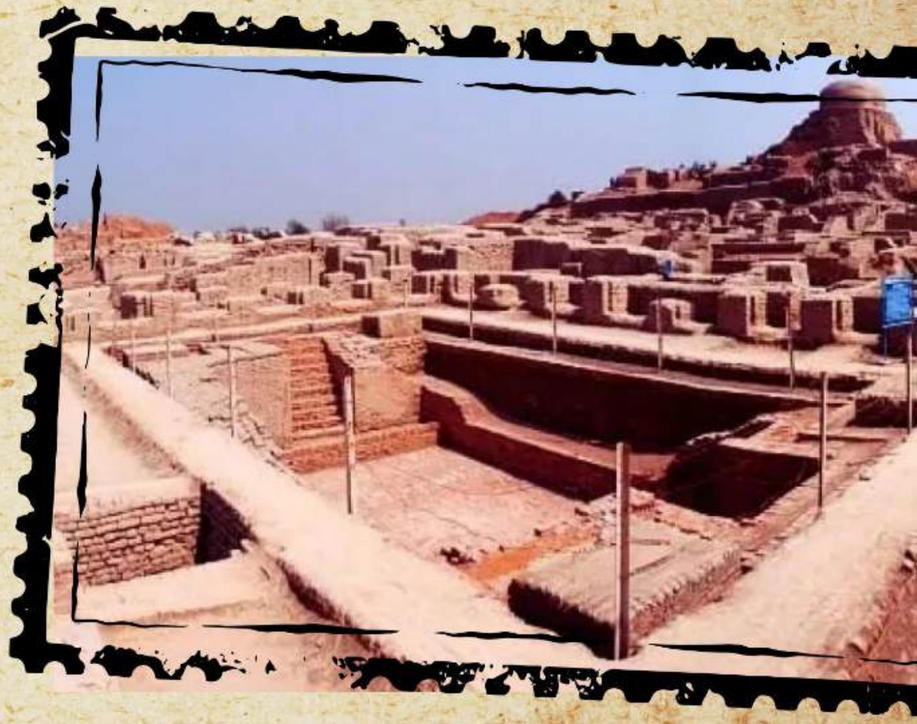

सिंधु घाटी सभ्यता

1. मोहन जोदड़ो

- साल 1922 ई भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के महानिदेशक जान मार्शल के निर्देश पर मोहन जोदड़ो पर खुदाई का कार्य शुरू हुआ था। लेकिन पिछले करीब 100 सालों में इस जगह के केवल एक-तिहाई भाग की ही खुदाई हो सकी है।
- हालांकि अब यहां खुदाई बंद कर दी गई है। जानकारों के मुताबिक मोहन जोदड़ों शहर करीब 125 हेक्टेयर में बसा हुआ था।

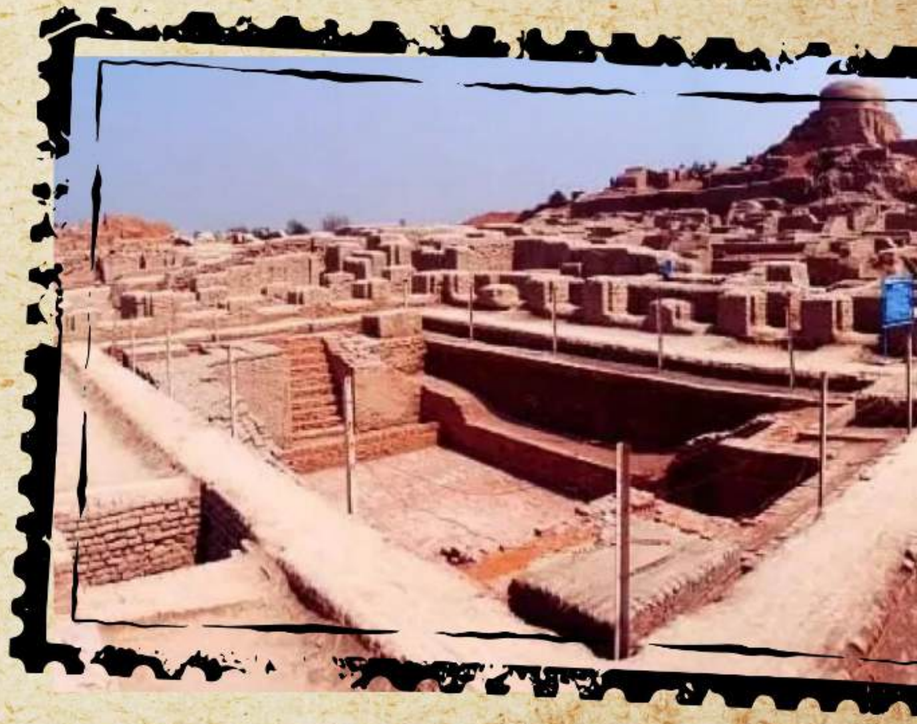

सिंधु घाटी सभ्यता

1. मोहन जोदड़ो

- इस शहर में उस समय जल कुड था। खुदाई में यहां बड़ी मात्रा में इमारतें, धातुओं की मूर्तियां, और मुहरें मिले थे।
- मोहन जोदड़ो की स्थिति- यह शहर वर्तमिन में पाकिस्तान के सिंध प्रांत के लरकाना जिले में स्थित है।

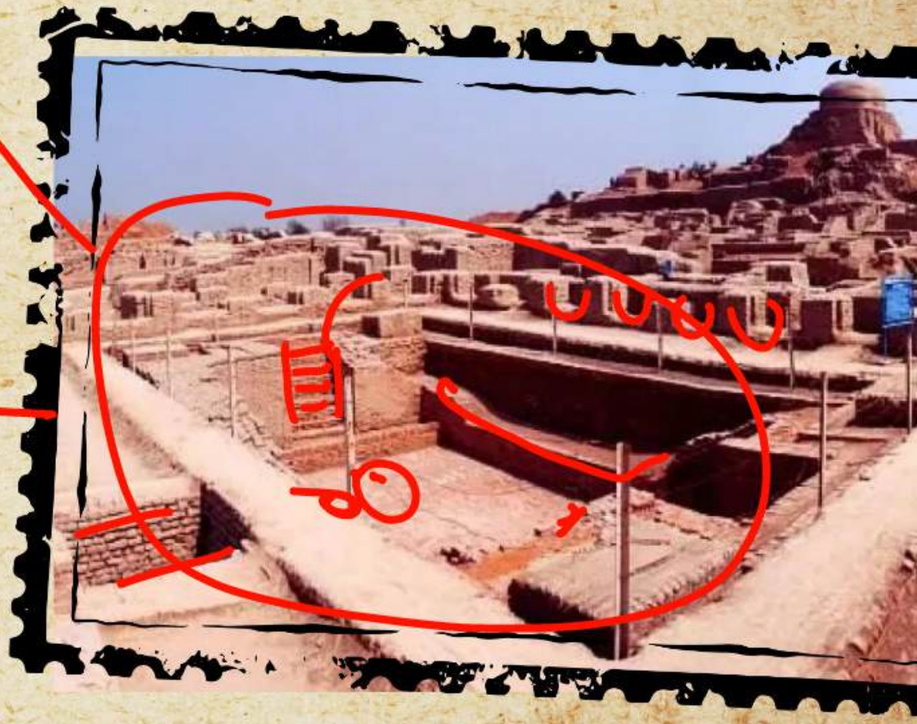

सिंधु घाटी सभ्यता

2. हड़प्पा

मार्टिमर व्हीलर

- हड़प्पा शहर, पाकिस्तान के पूर्वोत्तर में स्थित पंजाब प्रांत में स्थित एक पुरातात्विक स्थल है। यह शहर रावी नदी के किनारे, साहिवाल शहर से करीब 20 किलोमीटर पश्चिम में स्थित है।
- कांस्य युगीन सिंधु घाटी सभ्यता से संबंध रखने के कारण इसे हड़प्पा सभ्यता कहा जाता है। यह सिंधु घाटी सभ्यता में सबसे पहले खोजी गई सभ्यता है। यहां खुदाई के समय सिंधु घाटी सभ्यता के अनेक अवशेष प्राप्त हुए थे।

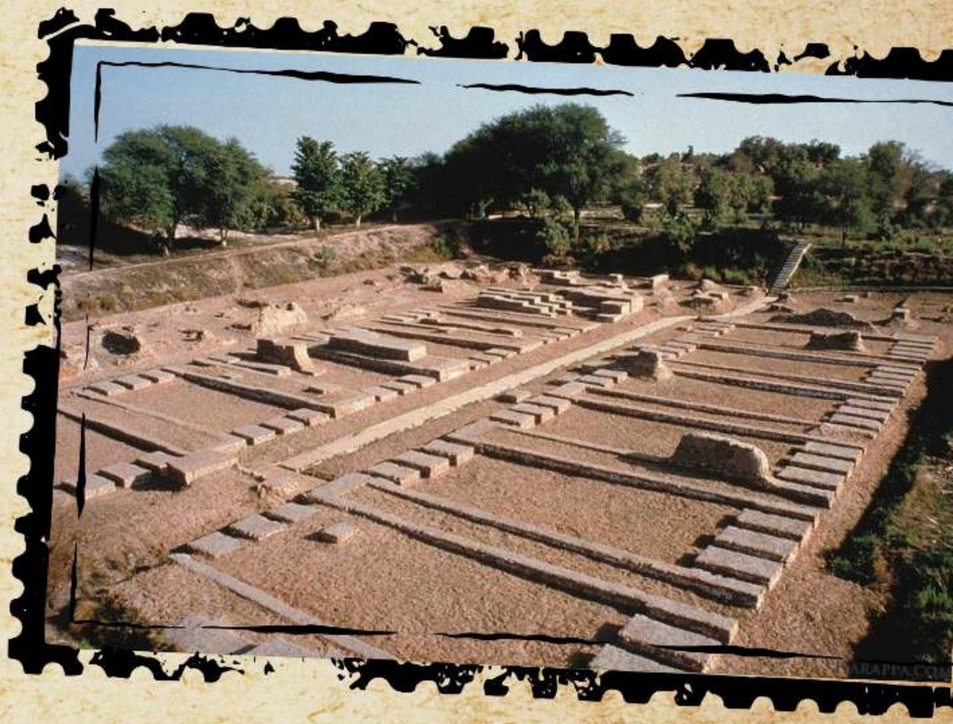

सिंधु घाटी सभ्यता

Result Mitra

2. हड़प्पा

- साल 1921 में जब भारतीय पुरातात्विक विभाग के निर्देशक, जॉन मार्शल थे तब उनके निर्देश पर 'दयाराम साहनी द्वारा सबसे पहले इस जगह की खुदाई का काम शुरू किया गया था। इस प्राचीन साईट पर साहनी के अलावा माधव स्वरूप व मार्तीमर वीहलर द्वारा भी खुदाई करवाई गई थी।

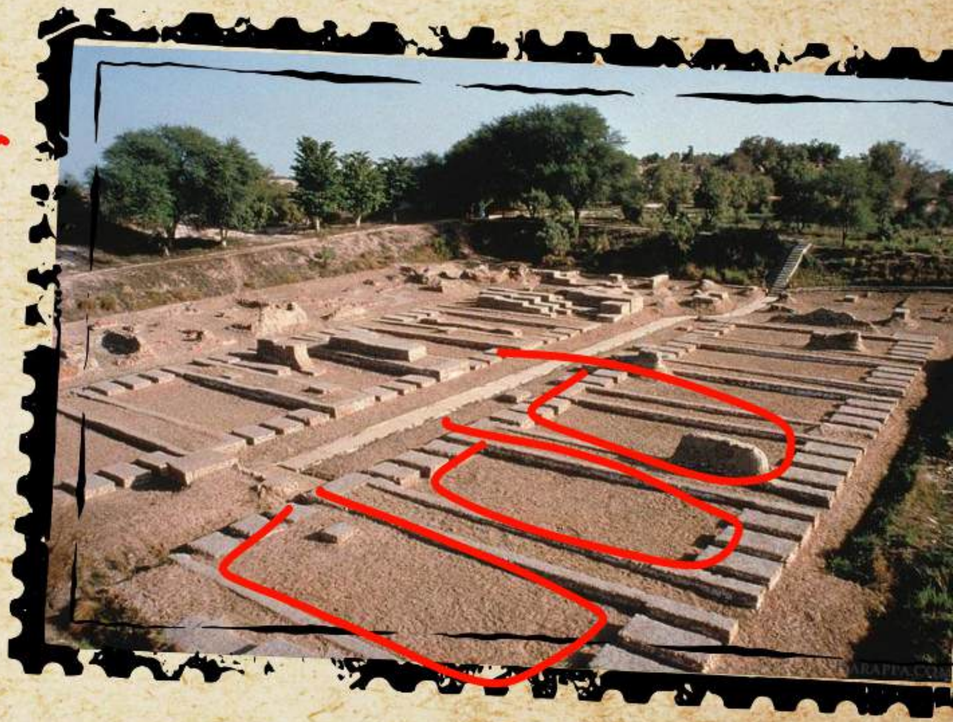

सिंधु घाटी सभ्यता

2. हड़प्पा

- लेकिन हड़प्पा का अधिकातर हिस्सा रेलवे निर्माण कार्य के कारण नष्ट हो चुका था। खुदाई में इस जगह से सिंधु सभ्यता से जुड़ी तांबे की इक्का गाड़ी, उर्वरता की देवी, कांस्य दर्पण, मछुआरे का चित्र, गरुड़ की मूर्ति, शिव की मूर्ति आदि साक्ष्य प्राप्त हुए थे।

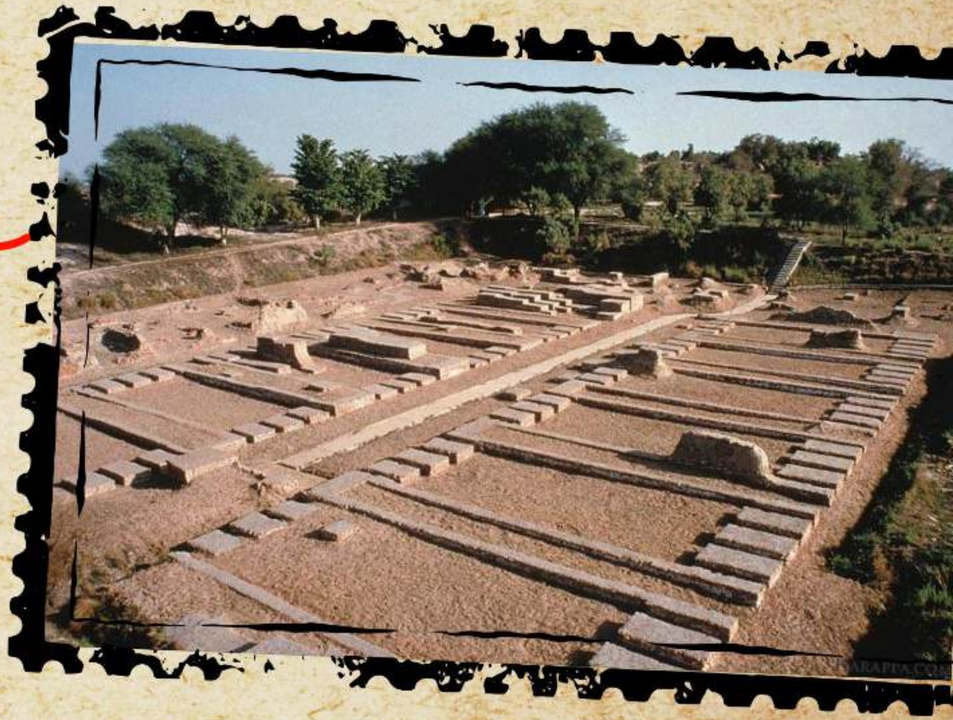

सिंधु घाटी सभ्यता

3. कालीबंगा

1952 अमलानंद

- यह स्थल राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले में स्थित है। जानकारों के मुताबिक कालीबंगा एक छोटा नगर था। इसे 4000 ईसा पूर्व से भी अधिक प्राचीन नगर माना जाता है।
- इन नगर की खोज साल 1952 में अमलानन्द घोष द्वारा की गई थी। इसके बाद बीके थापर व बीबी लाल द्वारा साल 1961 से 1969 के बीच यहां खुदाई का कार्य किया गया था।

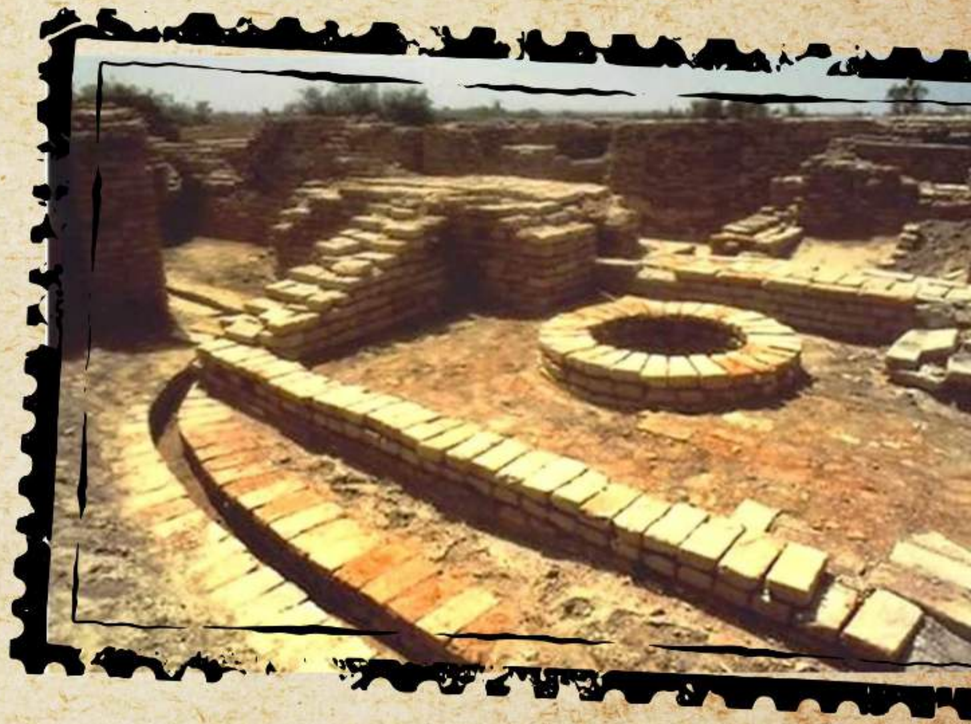

सिंधु घाटी सभ्यता

3. कालीबंगा

- यहां खुदाई में एक दुर्ग के साथ- साथ दुनिया का सबसे पहलो जोता हुआ खेत मिला था। ऐसा माना जाता है कि 2900 ईसा पूर्व तक कालीबंगा एक विकसित नगर हुआ करता था। कालीबंगा में भी खुदाई में सिंधु घाटी सभ्यता के महत्वपूर्ण अवशेष मिले हैं।

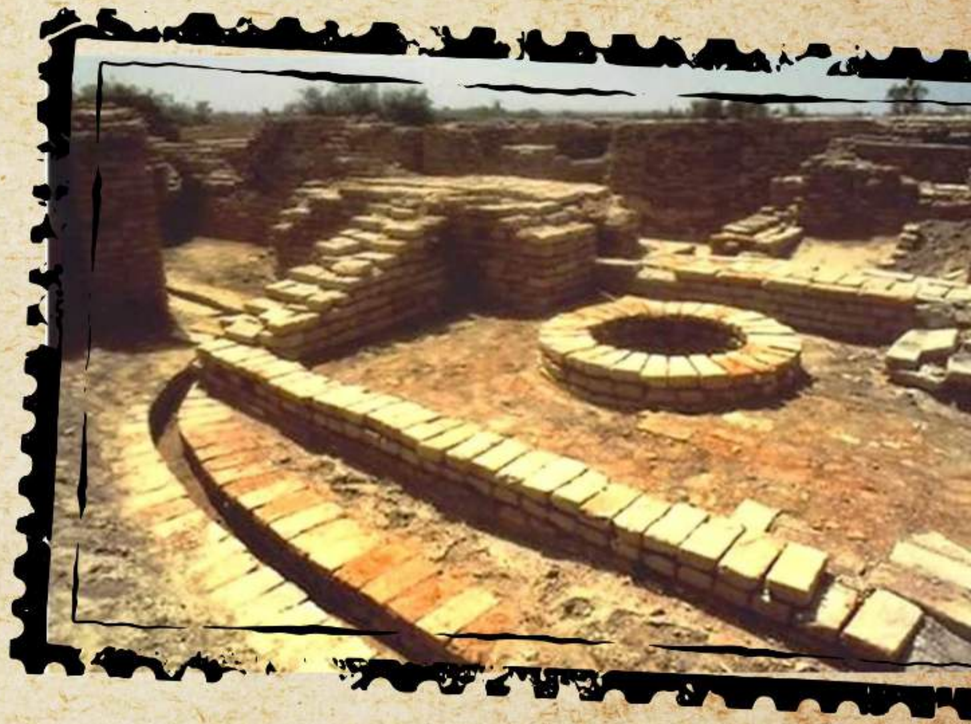

Result Mitra

सिंधु घाटी सभ्यता

4. लोथल

व्यापार वाणिज्य

- लोथल गुजराती में स्थित प्राचीन सिंधु घाटी सभ्यता के प्रमुख शहरों में से एक है। यह एक बहुत महत्वपूर्ण बंदरगाह शहर है। यह ईसा से करीब 2400 साल पूर्व का एक प्राचीन नगर माना जाता है। लोथल की खोज साल 1954 में हुई थी। इसकी खुदाई 13 फरवरी 1955 से लेकर 19 मई 1956 तक हुई थी।

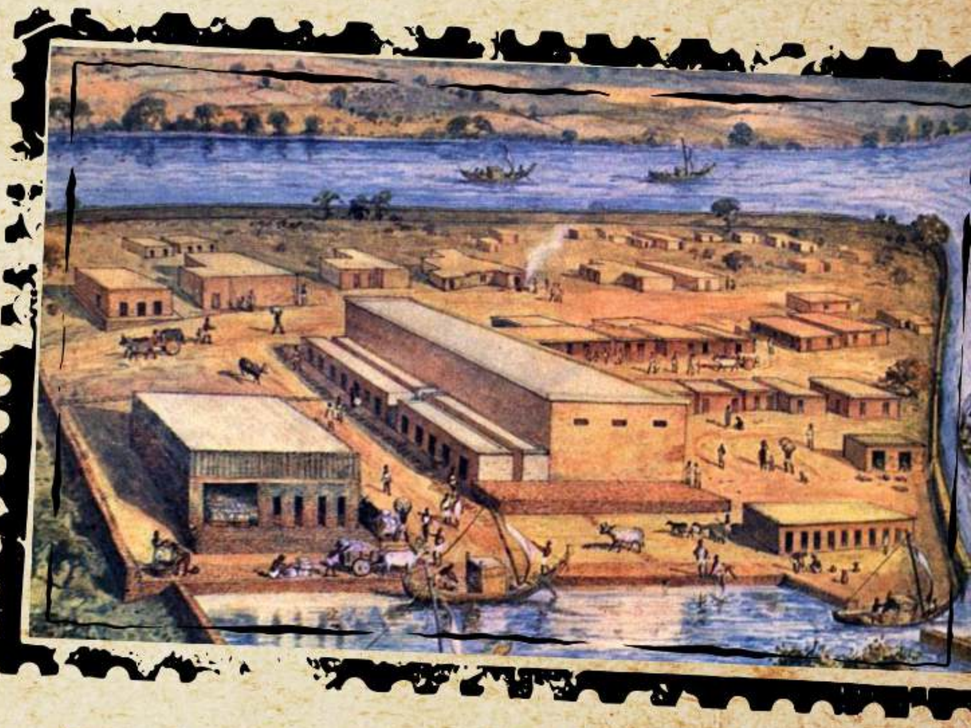

सिंधु घाटी सभ्यता

4. लोथल

- यह शहर वर्तमान में अहमदाबाद जिले के धोलका तालुका के गांव सरागवाला पास है। लोथल, अहमदाबाद-भावनगर रेलवे लाइन के स्टेशन लोथल भुरखी से दक्षिण पूर्व में करीब 6 किलोमीटर की दूरी पर है।
- विश्व की सबसे प्राचीनतम गोदी, लोथल गोदी, हड़प्पा के शहरों और सौराष्ट्र प्रायद्वीप के बीच बहने वाली साबरमती नदी की धारा से जुड़ी थी। यह प्राचीन समय में एक महत्वपूर्ण व्यापार मार्ग था।

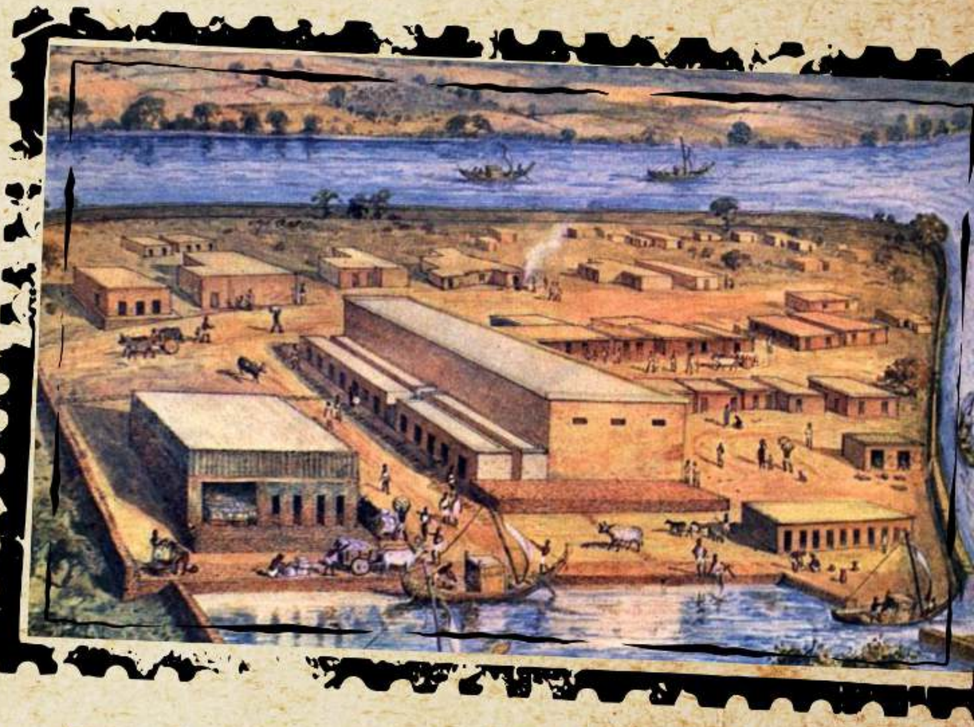

सिंधु घाटी सभ्यता

4. लोथल

- पूराने समय में इसके आसपास अरब सागर का एक हिस्सा और कच्छ का मरुस्थल क्षैत्र हुआ करता था। इस संपन्न व्यापार केंद्र से पश्चिम एशिया और अफ्रीका के सुदूर कोनों तक मोती, जवाहरात और कीमती गहने भेजे जाते थे।
- उस दौर में यहां मनके बनाने की तकनीक और उपकरण विकसित हो चुके थे। बताया जाता हैं कि यहां की धातु 4000 साल से भी अधिक से समय की कसौटी पर खरी उतरी थी।

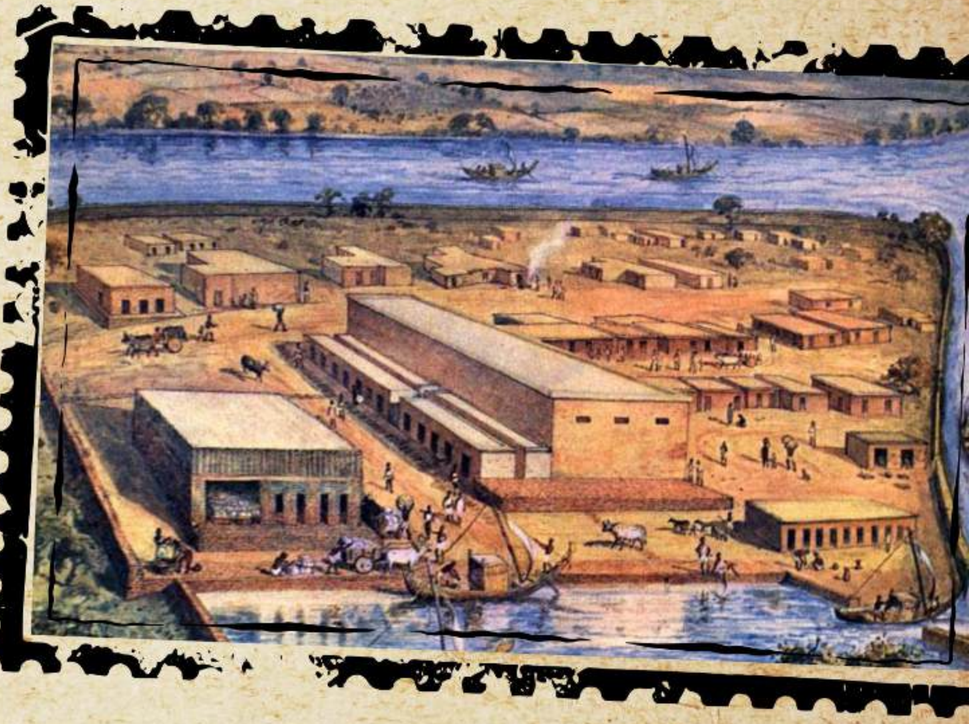

सिंधु घाटी सभ्यता

5. चहुँदड़ो

- यह भी सिंधु घाटी सभ्यता से सबंधित एक पुरातत्व स्थल है। चहुँदड़ो, पाकिस्तान के सिंध इलाके के मोहेंजोदड़ो से करीब 130 किलोमीटर दूर दक्षिण में स्थित है।
- चहुँदड़ो शहर को 4000 से 1700 ईसा पूर्म में बसा हुआ नगर माना जाता है। साल 1930 में एन गोपाल मजुमदार द्वारा चहुँदड़ो की पहली बार खुदाई करवाई गई थी।

सिंधु घाटी सभ्यता

5. चहुँदड़ो

- हालांकि इसके बाद भी साल 1935-36 में अमेरीकी स्कूल ऑफ इंडिक एंड इरानियन तथा म्यूजियम ऑफ फाइन आर्ट्स, बोस्टन के दलों अर्नेस्ट जॉन हेनरी मैके के नेतृत्व में भी यहां खुदाई का काम किया था।
- प्राचीनकाल में चहुँदड़ो को इंद्रगोप मनकों के निर्माण स्थल के रूप में जाना जाता है। यहां पर खुदाई में, ईंट पर बिल्ली का पीछा करते हुए कुत्ते के पंजे के निशान मिले थे।

सिंधु घाटी सभ्यता

6. धोलावीरा

- भारत के गुजरात में कच्छ जिले के भचाऊ तालुका में स्थित धोलावीरा एक पुरातत्विक स्थल की खोज हुई थी। इस जगह का नाम यहां पर स्थित गांव पर था। इस स्थल की खोज साल 1960 में धोलावीरा निवासी शंभूदान गढ़वी ने की थी।
- इसके कई सालों बाद गढ़व के प्रयासों से सरकार का ध्यान इस जगह की ओर गया। धोलावीरा, भौगोलिक रूप से कच्छ के रण में मरुभूमि वन्य अभयारण्य के अंदर खादिरबेट द्वीप पर स्थित है।

सिंधु घाटी सभ्यता

6. धोलावीरा

- ऐसा माना जाता है कि धोलावीरा नगर कीब 120 एकड़ में बसा हुआ शहर था।
- जानकारों के मुताबिक यहां करीब 2650 ईसा पूर्व में लोगों का बसना शुरू हुआ था जोकि 2100 ई पू के बाद कम हो गया था। प्राचीन काल में एक समय ऐसा भी आया जब यह नगर खाली रहा।
- हालांकि 1450 ई पू में एक बार फिर यहां लोगों का बसना शुरू हुआ। कुछ खोजों से ये भी पता चलता है कि यहां 3500 ई पू से लोग बसने लगे थे।

सिंधु घाटी सभ्यता

6. धोलावीरा

- 5 हजार साल पहले, धोलावीरा को दुनिया के सबसे व्यस्त महानगरों में गिना जाता था। हड़प्पा कालीन धोलावीरा शहर को यूनेस्को की साल 2021 में चीन में संपन्न यूनेस्को की ऑनलाइन बैठक में, विश्व धरोहर की सूची में शामिल किया गया था। यह सिंधु सभ्यता का सबसे बड़ा स्थल माना जाता है।
- नोट – यह धोलावीरा, भारत का 40वां विश्व धरोहर स्थल है।

सिंधु घाटी सभ्यता

7. बनावली

- हरियाणा में स्थित बनावली सिन्धु घाटी सभ्यता से सबंधित एक पुरातत्व स्थल है। यह रंगोई नदी के तट पर स्थित था।
- बताया जाता है कि कालीबंगा सरस्वती की निचली घाटी पर स्थित था, वहीं बनावली उपरी घाटी पर बसा था। यह स्थल, प्राचीन शहर कालीबंगा से 120 किमी तथा फतेहाबाद से 16 किमी दूरी स्थित है।

सिंधु घाटी सभ्यता

7. बनावली

- यहां खुदाई का काम आरएस बिह्स्त द्वारा किया गया था। यहां खुदाई में तीन संस्कृति अनुक्रम प्राप्त हुए है,- प्री-हड़प्पा (अर्ली-हड़प्पा), हड़प्पा और हड़प्पा के बाद।
- इस काल के मिट्टी के बर्तनों में, पूर्व-हड़प्पन चित्रित रूपांकनों सरल विरल बन जाती थी। इस दौरान सफेद रंगों का उपयोग कम लोकप्रिय हो गया था।

सिंधु घाटी सभ्यता

7. बनावली

- यहां खुदाई में डिश-ऑन-स्टैंड, बेसिन, गर्त, जार और कटोरे आदि प्राप्त हुए थे। इसके अलावा यहां से कम कीमती पत्थर, शेल और तांबे की चूड़ियां भी मिली थी।

सिंधु घाटी सभ्यता

7. बनावली

- हड़प्पा, मोहनजोदड़ो, बनावली और धोलावीरा चार प्रमुख हड़प्पा स्थल माने जाते हैं। साल 1999 तक यहां 1,056 से अधिक शहर और बस्तियां ढूंढी जा चुकी थीं।
- इसके लिए सिंधु और घग्घर-हकरा नदियों और उनकी सहायक नदियों के क्षेत्र में 96 स्थलों की खुदाई की गई थी। इस दौरान हड़प्पा, मोहनजोदड़ो, धोलावीरा और राखीगढ़ी सबसे महत्वपूर्ण शहरी केंद्र थे।

सिंधु घाटी सभ्यता के प्रमुख स्थलों के बारे में अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न

Result Mitra

सिन्धु घाटी का महत्वपूर्ण स्थल

- सिन्धु घाटी का सबसे महत्वपूर्ण और प्रसिद्ध स्थल मोहनजोदड़ो है। मोहनजोदड़ो, सिंधु नदी के बगल में पाकिस्तान के सिंध प्रांत में स्थित है।
- यह रोहरी से बहुत अधित दूरी पर नहीं है जहां बहुत प्रारंभिक मानव चकमक पत्थर खनन खदानें हैं। ऐसा माना जाता है कि सिंधु नदी कभी मोहनजोदड़ो के पश्चिम में प्रवाहित होती थी, लेकिन अब यह इसके पूर्व में स्थित है।

सिंधु घाटी सभ्यता के प्रमुख स्थलों के बारे में अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न

Result Mitra

सिंधु घाटी सभ्यता का सबसे छोटा स्थल

- सिंधु सभ्यता को दो बड़े शहरों, हड़प्पा और मोहनजोदड़ो के लिए जाना जाता है। इसके अलावा यहां 100 से अधिक अक्सर अपेक्षाकृत छोटे आकार के शहर और गांवों के होने का अनुमान लगाया जाता है।

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

प्रश्न: निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?

1. सिंधु घाटी सभ्यता का सबसे छोटा स्थल कालीबंगा है।

2. मोहनजोदड़ो को 'मुर्दों का टीला' भी कहा जाता है।

3. धोलावीरा को यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल की सूची में शामिल किया गया है।

कूट:

(A) केवल 1 और 2

(B) केवल 2 और 3

(C) केवल 1 और 3

(D) 1, 2 और 3

Result Mitra

जस्टिन ट्रूडो का कनाडा के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा और मोदी सरकार से उनके संबंध

जस्टिन ट्रूडो का कनाडा के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा और मोदी सरकार से उनके संबंध

- कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने 6 जनवरी 2025 को अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने लिबरल पार्टी के नेता पद से भी त्यागपत्र दिया है, जिससे उनके नौ वर्षों का प्रधानमंत्री कार्यकाल समाप्त हो गया है।
- ट्रूडो के इस्तीफे के पीछे उनकी पार्टी के भीतर बढ़ता असंतोष और हाल के विवादों को मुख्य कारण माना जा रहा है।

जस्टिन ट्रूडो का कनाडा के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा और मोदी सरकार से उनके संबंध

Result Mitra

- भारत और कनाडा के संबंधों में भी हाल के वर्षों में तनाव देखा गया है। खालिस्तान समर्थक हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले पर दोनों देशों के बीच मतभेद उभरे थे।
- ट्रूडो के इस्तीफे के बाद, कनाडा में नए नेता के चयन की प्रक्रिया शुरू होगी। विशेषज्ञों का मानना है कि नए नेतृत्व के साथ भारत-कनाडा संबंधों में सुधार की संभावनाएं बढ़ सकती हैं।

जस्टिन ट्रूडो का कनाडा के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा और मोदी सरकार से उनके संबंध

Result Mitra

- पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रूडो के इस्तीफे पर टिप्पणी करते हुए कहा है कि कनाडा को अमेरिका में विलय कर 51वां राज्य बन जाना चाहिए।
- कनाडा में आगामी चुनावों और नए प्रधानमंत्री के चयन की प्रक्रिया पर दुनिया की नजरें टिकी हैं, जिससे वैश्विक राजनीति में महत्वपूर्ण बदलाव संभावित हैं।

जस्टिन ट्रूडो का कनाडा के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा और मोदी सरकार से उनके संबंध

Result Mitra

जस्टिन ट्रूडो

- जस्टिन ट्रूडो कनाडा के एक राजनेता, लिबरल पार्टी के नेता और कनाडा के प्रधानमंत्री हैं। जस्टिन कनाडा के पंद्रहवें प्रधानमत्री पियर ट्रूडो और मार्गरिट ट्रूडो के ज्येष्ठ पुत्र हैं।

जस्टिन ट्रूडो का कनाडा के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा और मोदी सरकार से उनके संबंध

Result Mitra

भारत-कनाडा संबंध:

- भारत और कनाडा दोनों देश बहुसंस्कृतिवाद और लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए जाने जाते हैं.
- दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश संबंध बहुआयामी साझेदारी का हिस्सा हैं.
- भारत और कनाडा दोनों देश हिंद-प्रशांत क्षेत्र में नियम-आधारित व्यवस्था का समर्थन करते हैं.

जस्टिन ट्रूडो का कनाडा के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा और मोदी सरकार से उनके संबंध

Result Mitra

भारत-कनाडा संबंध:

- कनाडा की हिंद-प्रशांत रणनीति में भारत को क्षेत्र के साझा हितों में सहयोग के लिए एक महत्वपूर्ण साझेदार माना जाता है.
- भारत और कनाडा के बीच अनुसंधान सहयोग के लिए आईसी-इम्पैक्ट्स (सामुदायिक परिवर्तन और स्थिरता में तेज़ी लाने के लिए अभिनव बहुविषयक साझेदारी के लिए भारत-कनाडा केंद्र) नाम का एक उत्कृष्टता अनुसंधान केंद्र है.

जस्टिन ट्रूडो का कनाडा के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा और मोदी सरकार से उनके संबंध

Result Mitra

भारत-कनाडा संबंध:

- भारत और कनाडा के बीच अंतरिक्ष सहयोग भी है. इसरो और सीएसए (कनाडाई अंतरिक्ष एजेंसी) ने बाहरी अंतरिक्ष के अन्वेषण और उपयोग के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं.
- भारत और कनाडा के बीच संबंधों में हाल ही में गिरावट आई है. भारत ने कनाडा पर खालिस्तानी आतंकवादियों को सुरक्षित पनाहगाह मुहैया कराने का आरोप लगाया है. वहीं, कनाडा सरकार ने भारत पर राजनीतिक हस्तक्षेप का आरोप लगाया है.

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

प्रश्न: निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. भारत और कनाडा दोनों देश हिंद-प्रशांत क्षेत्र में नियम-आधारित व्यवस्था का समर्थन करते हैं।

2. भारत और कनाडा के बीच अंतरिक्ष सहयोग के लिए इसरो और कनाडाई अंतरिक्ष एजेंसी (CSA) ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

3. कनाडा की हिंद-प्रशांत रणनीति में भारत को एक प्रमुख प्रतिद्वंद्वी माना गया है।

कूट:

(A) केवल 1 और 2 सही हैं

(B) केवल 2 और 3 सही हैं

(C) केवल 1 और 3 सही हैं

(D) 1, 2 और 3 सही हैं

Result Mitra

पंचप्राण - चर्चा में

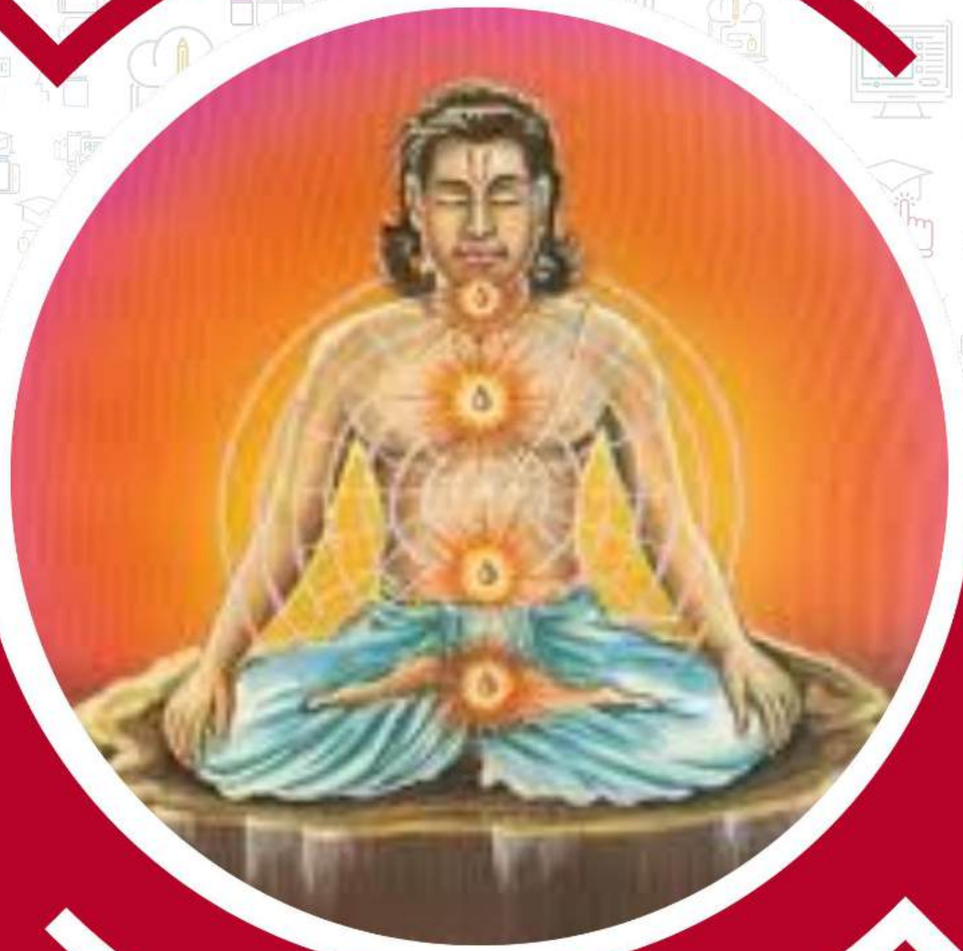

पंचप्राण - चर्चा में

Result Mitra

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त 2022 को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 'पंच प्राण' (पाँच संकल्प) की अवधारणा प्रस्तुत की थी, जिसका उद्देश्य वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाना है।
- हाल ही में, 21 अप्रैल 2023 को सिविल सेवा दिवस पर, प्रधानमंत्री ने इन 'पंच प्राण' की पुनः चर्चा की और सिविल सेवकों को इन संकल्पों को आत्मसात करने के लिए प्रेरित किया।

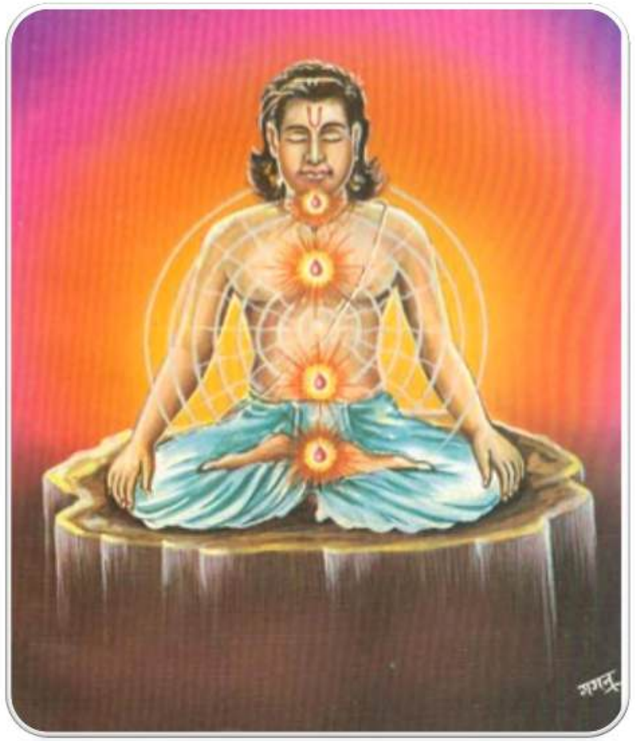

पंचप्राण - चर्चा में

Result Mitra

पंच प्राण के पाँच संकल्प:

- 1. विकसित भारत का लक्ष्य: वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाना।
- 2. गुलामी की मानसिकता से मुक्ति: दासता के सभी निशानों को मिटाना और मानसिकता में बदलाव लाना।
- 3. अपनी विरासत पर गर्व: भारतीय संस्कृति और धरोहर पर गर्व करना।

पंचप्राण - चर्चा में

पंच प्राण के पाँच संकल्प:

- 4. एकता और एकजुटता: 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को मजबूत करना।
- 5. नागरिकों का कर्तव्य: सभी नागरिकों को अपने कर्तव्यों का पालन करने के लिए प्रेरित करना।

पंचप्राण - चर्चा में

Result Mitra

पंच प्राण के पाँच संकल्प:

- सिविल सेवा दिवस पर, प्रधानमंत्री मोदी ने सिविल सेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि 'पंच प्राण' भारत को उन ऊंचाइयों तक ले जाएंगे, जिनका वह हकदार है। उन्होंने सिविल सेवकों से इन संकल्पों को अपने कार्यों में लागू करने और देश की प्रगति में योगदान देने का आह्वान किया।

पंचप्राण - चर्चा में

Result Mitra

पंच प्राण के पाँच संकल्प:

- प्रधानमंत्री ने यह भी उल्लेख किया कि 'ईज ऑफ गवर्नेंस' का अर्थ 'ईज ऑफ लिविंग' है, और ऐसे नियम जो आम नागरिकों के लिए दुविधा पैदा कर रहे थे या समय के साथ अपना औचित्य खो चुके थे, उन्हें समाप्त किया जाना चाहिए।

पंचप्राण - चर्चा में

Result Mitra

पंच प्राण के पाँच संकल्प:

- 'पंच प्राण' की यह अवधारणा 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' के तहत भारत सरकार की पहल का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य देश को एक एकीकृत शक्ति के रूप में आगे बढ़ाना और आत्मनिर्भर भारत की नींव रखना है।

राष्ट्रीय सिविल सेवा दिवस

- राष्ट्रीय सिविल सेवा दिवस हर साल 21 अप्रैल को मनाया जाता है. यह दिन सिविल सेवकों को समर्पित है. इस दिन को मनाने का मकसद, सिविल सेवकों को नागरिकों के हित में खुद को फिर से समर्पित करने का मौका देना है.
- साथ ही, सार्वजनिक सेवा और काम में बेहतरी के लिए उनकी प्रतिबद्धता को नवीनीकृत करना भी इसका मकसद है.

राष्ट्रीय सिविल सेवा दिवस

राष्ट्रीय सिविल सेवा दिवस से जुड़ी कुछ खास बातें:

- इस दिन अच्छे काम करने वाले सिविल सेवकों को अवॉर्ड से भी सम्मानित किया जाता है.
- साल 2006 में पहली बार 21 अप्रैल को सिविल सेवा दिवस मनाया गया था.

राष्ट्रीय सिविल सेवा दिवस

राष्ट्रीय सिविल सेवा दिवस से जुड़ी कुछ खास बातें:

- इस दिन को मनाने की वजह, भारत के पहले गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल का भाषण है. साल 1947 में उन्होंने दिल्ली के मेटकाफ़ हाउस में परिवीक्षा पर सेवा अधिकारियों को संबोधित करते हुए अपने प्रभावशाली भाषण में सिविल सेवकों को "भारत का इस्पात ढांचा" कहा था.

राष्ट्रीय सिविल सेवा दिवस

राष्ट्रीय सिविल सेवा दिवस से जुड़ी कुछ खास बातें:

- राष्ट्रीय सिविल सेवा दिवस हर साल एक अलग थीम के साथ मनाया जाता है. साल 2024 में राष्ट्रीय सिविल सेवा दिवस की थीम थी, "नागरिकों को सशक्त बनाना, शासन को बढ़ाना".

'ईज ऑफ गवर्नेंस'

- ई-गवर्नेंस का मतलब है, सरकार और सार्वजनिक क्षेत्र के विभिन्न स्तरों पर सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) का इस्तेमाल करके शासन को बेहतर बनाना.
- ई-गवर्नेंस में, 'ई' का मतलब 'इलेक्ट्रॉनिक' होता है. ई-गवर्नेंस के ज़रिए, सरकार नागरिकों को सरकारी सेवाएं और सूचनाएं देती है.

'ईज ऑफ गवर्नेंस'

ई-गवर्नेंस के कुछ फ़ायदे:

- इससे प्रशासनिक प्रक्रिया को सुविधाजनक, पारदर्शी, कुशल, ज़िम्मेदार, और जवाबदेह बनाया जाता है.
- इससे सार्वजनिक सेवाओं के वितरण में सुधार आता है और उन्हें पाने की प्रक्रिया आसान होती है.
- इससे नागरिकों को सरकार के निर्बाध दृष्टिकोण का अनुभव होता है.

'ईज ऑफ गवर्नेंस'

ई-गवर्नेंस से जुड़ी कुछ और बातें:

- ई-गवर्नेंस के चार चरण होते हैं: उपस्थिति, सहभागिता, लेन-देन, और परिवर्तन.
- भारत में, ई-गवर्नेंस के लिए कई पहलें की गई हैं.
- सरकार ने 18 मई, 2006 को राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस योजना (NeGP) को मंज़ूरी दी थी.
- NeGP का मकसद सार्वजनिक सेवाओं को नागरिकों के घर के करीब लाना है.

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

प्रश्न: निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. 'पंच प्राण' की अवधारणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त 2022 को प्रस्तुत की थी।

2. 'ईज ऑफ गवर्नेंस' का अर्थ 'ईज ऑफ लिविंग' है और यह शासन प्रक्रिया को सरल और नागरिकों के लिए सुगम बनाने पर केंद्रित है।

3. राष्ट्रीय सिविल सेवा दिवस हर साल 21 अप्रैल को मनाया जाता है और पहली बार इसे 2006 में मनाया गया था।

कूट:

(A) केवल 1 और 2 सही हैं

(B) केवल 2 और 3 सही हैं

(C) केवल 1 और 3 सही हैं

(D) 1, 2 और 3 सभी सही हैं

Result Mitra

खो-खो विश्वकप 2025

खो-खो विश्वकप 2025

Result Mitra

- खो-खो विश्व कप 2025 का आयोजन 13 से 19 जनवरी के बीच नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में होने जा रहा है। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में छह महाद्वीपों के 24 देशों की 21 पुरुष और 20 महिला टीमें भाग लेंगी।

खो-खो विश्वकप 2025

Result Mitra

ट्रॉफी और मैस्कॉट का अनावरण:

- भारतीय खो-खो महासंघ (KKFI) ने हाल ही में टूर्नामेंट की ट्रॉफी और मैस्कॉट का अनावरण किया है।
- पुरुषों की चैंपियनशिप के लिए नीली ट्रॉफी विश्वास, दृढ़ संकल्प और सार्वभौमिक अपील का प्रतीक है, जबकि महिलाओं की चैंपियनशिप के लिए हरी ट्रॉफी विकास और जीवन शक्ति का प्रतिनिधित्व करती है।
- दोनों ट्रॉफियों का डिज़ाइन खेल की गतिशीलता को दर्शाता है।

खो-खो विश्वकप 2025

Result Mitra

ट्रॉफी और मैस्कॉट का अनावरण:

- मैस्कॉट के रूप में 'तेजस' और 'तारा' नामक दो हिरणों की जोड़ी प्रस्तुत की गई है, जो खेल की गति, चपलता और टीम वर्क का प्रतीक हैं। तेजस ऊर्जा और प्रतिभा का प्रतिनिधित्व करता है, जबकि तारा मार्गदर्शन और आकांक्षा का।

खो-खो विश्वकप 2025

प्रसारण और भागीदारी:

- टूर्नामेंट का प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क और दूरदर्शन पर होगा, जबकि डिज़्नी+ हॉटस्टार पर मुफ्त लाइव स्ट्रीमिंग की जाएगी, जिससे खेल प्रेमी इसे आसानी से देख सकेंगे।
- हालांकि, टूर्नामेंट शुरू होने में कुछ ही दिन शेष हैं, लेकिन पाकिस्तान की टीम की भागीदारी को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है, क्योंकि उन्हें अभी तक वीज़ा नहीं मिला है।

खो-खो विश्वकप 2025

Result Mitra

प्रसारण और भागीदारी:

- खो-खो विश्व कप 2025 भारतीय पारंपरिक खेल को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है, जो खेल प्रेमियों के लिए रोमांचक अनुभव साबित होगा।

खो-खो विश्वकप 2025

Result Mitra

भारतीय खो-खो महासंघ (KKFI)

- इसकी स्थापना साल 1955 में हुई थी.
- इसकी स्थापना महाराष्ट्र के महान लेफ़्टिनेंट भाई नेरुरकर, लेफ़्टिनेंट भूपति मजूमदार, लेफ़्टिनेंट संभुनाथ मल्लिक, और पश्चिम बंगाल के लेफ़्टिनेंट देबेन बोस ने की थी.
- KKFI ने साल 1959 में अपनी पहली राष्ट्रीय चैंपियनशिप आयोजित की थी.

खो-खो विश्वकप 2025

Result Mitra

भारतीय खो-खो महासंघ (KKFI)

- KKFI हर साल पुरुष, महिला, और जूनियर वर्गों के लिए राष्ट्रीय चैंपियनशिप आयोजित करता है.
- KKFI ने साल 2023 में एशियाई खो-खो चैंपियनशिप का चौथा संस्करण आयोजित किया था.
- KKFI ने साल 2025 में भारत में पहली बार खो-खो विश्व कप की मेज़बानी करने की योजना बनाई है.

खो-खो विश्वकप 2025

Result Mitra

भारतीय खो-खो महासंघ (KKFI)

- KKFI ने खो-खो को आधुनिक बनाने के लिए कई बदलाव किए हैं.
- KKFI ने राष्ट्रीय स्तर पर खो-खो को मैटेड सतहों पर खेलने के लिए प्रोत्साहित किया है.
- KKFI ने पूर्वोत्तर भारत में खो-खो के विस्तार के लिए योजना बनाई है.

खो-खो विश्वकप 2025

Result Mitra

खो-खो से जुड़ी कुछ और खास बातें:

- खो-खो, भारत का एक पारंपरिक टैग गेम है.

खो-खो खेल के नियम:

National Player?

- पीछा करने वाली टीम मैदान में उतरती है.
- आठ खिलाड़ी केंद्रीय और क्रॉस लेन के चौराहे से बने आठ छोटे आयतों में बैठते हैं.

खो-खो विश्वकप 2025

खो-खो से जुड़ी कुछ और खास बातें:

खो-खो खेल के नियम:

- लगातार पीछा करने वाले खिलाड़ी एक ही दिशा में मुंह नहीं कर सकते.
- खो का संकेत दल के साथी की पीठ पर छू करके 'खो' बोलते हुए देते हैं.
- पीठ पर हाथ का लगना और 'खो' शब्द का उच्चारण एक ही समय होना चाहिए.

खो-खो विश्वकप 2025

खो-खो से जुड़ी कुछ और खास बातें:

खो-खो खेल के नियम:

- प्रत्येक क्रॉस लेन की चौड़ाई 35 सेंटीमीटर (14 इंच) है.
- आसन्न क्रॉस लेन 2.3 मीटर (7 फ़ीट 7 इंच) की दूरी पर हैं.
- प्रत्येक पोल और उसके आसन्न क्रॉस लेन के बीच 2.55 मीटर (8 फ़ीट 4 इंच) का अलगाव है.

खो-खो विश्वकप 2025

Result Mitra

खो-खो से जुड़ी कुछ और खास बातें:

- खो-खो, प्राचीन भारत के रन-चेज़ खेलों में से एक है. विशेषज्ञों का मानना है कि इसकी उत्पत्ति महाराष्ट्र में हुई थी. प्राचीन काल में इसे रथों पर खेला जाता था और इसे राथेरा कहा जाता था. वर्तमान में इसे पैदल खेला जाता है.

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

प्रश्न: निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. खो-खो विश्व कप 2025 का आयोजन नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में किया जा रहा है।

2. पुरुषों की चैंपियनशिप के लिए नीली ट्रॉफी, विश्वास और दृढ़ संकल्प का प्रतीक है।

3. खो-खो को प्राचीन काल में रथों पर खेला जाता था, जिसे "राथेरा" कहा जाता था।

कूट:

(A) केवल 1 और 2 सही हैं

(B) केवल 2 और 3 सही हैं

(C) केवल 1 और 3 सही हैं

(D) 1, 2 और 3 सभी सही हैं

हनोई दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर और भारत से तुलनात्मक अध्ययन

हनोई दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर और भारत से तुलनात्मक अध्ययन

Result Mitra

- हाल ही में, वियतनाम की राजधानी हनोई को दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में से एक घोषित किया गया है। हनोई में वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है, जिससे स्थानीय निवासियों के स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा है।

हनोई दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर और भारत से तुलनात्मक अध्ययन

Result Mitra

हनोई में वायु प्रदूषण के प्रमुख कारण:

- वाहनों का उत्सर्जन: बढ़ती जनसंख्या और वाहनों की संख्या में वृद्धि से वायु प्रदूषण में इजाफा हुआ है।
- औद्योगिक गतिविधियां: औद्योगिक क्षेत्रों से निकलने वाले धुएं और प्रदूषक तत्व वायु गुणवत्ता को प्रभावित कर रहे हैं।
- कचरा जलाना: खुले में कचरा जलाने की प्रथा भी प्रदूषण के स्तर को बढ़ा रही है।

हनोई दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर और भारत से तुलनात्मक अध्ययन

Result Mitra

भारत के शहरों से तुलना:

- भारत के कई शहर भी वायु प्रदूषण की समस्या से जूझ रहे हैं। IQAir की रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली, लाहौर, हनोई, काहिरा, और कराची दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में शामिल हैं।

हनोई दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर और भारत से तुलनात्मक अध्ययन

स्वास्थ्य पर प्रभाव:

- वायु प्रदूषण के बढ़ते स्तर से श्वसन संबंधी बीमारियों, हृदय रोगों और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है। विशेषकर बुजुर्गों और बच्चों पर इसका अधिक प्रभाव पड़ता है।

हनोई दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर और भारत से तुलनात्मक अध्ययन

Result Mitra

सरकारी प्रयास:

- हनोई और भारत दोनों ही सरकारें वायु प्रदूषण को कम करने के लिए विभिन्न कदम उठा रही हैं, जैसे कि सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देना, औद्योगिक उत्सर्जन पर नियंत्रण, और हरित क्षेत्रों का विकास। हालांकि, इन प्रयासों के बावजूद, वायु गुणवत्ता में सुधार की गति धीमी है, और अधिक ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है।
- वायु प्रदूषण एक वैश्विक समस्या है, और इसके समाधान के लिए सभी देशों को मिलकर प्रयास करने की आवश्यकता है।

हनोई के बारे में

- हनोई, वियतनाम की राजधानी है और यह देश के उत्तर में, चीनी सीमा के पास स्थित है. यह रेड नदी के पश्चिमी तट पर बसा है. हनोई, दक्षिण-पूर्व एशिया की मौजूदा राजधानियों में सबसे पुरानी है और इसकी स्थापना 11वीं शताब्दी में हुई थी.

Result Mitra

हनोई के बारे में

- हनोई में प्राचीन पगोडा, संग्रहालय, और औपनिवेशिक इमारतें हैं.
- यह शहर चीनी, फ़्रेंच, और रूसी प्रभावों का मिश्रण है.
- हनोई में फ़्रेंच क्वार्टर और ओल्ड क्वार्टर जैसे प्रमुख पड़ोस हैं.
- हनोई में स्वादिष्ट व्यंजन और जीवंत नाइटलाइफ़ का आनंद लिया जा सकता है.

Result Mitra

हनोई के बारे में

- हनोई घूमने का सबसे अच्छा समय सितंबर से नवंबर और मार्च-अप्रैल के महीने हैं.
- हनोई में वियतनाम राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, हनोई विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, विदेश व्यापार विश्वविद्यालय, और हनोई मेडिकल यूनिवर्सिटी जैसे कई विश्वविद्यालय हैं.

Result Mitra

एयर क्वालिटी इंडेक्स (AQI)

- हवा में प्रदूषण की मात्रा को मापने के लिए एयर क्वालिटी इंडेक्स (AQI) का इस्तेमाल किया जाता है. यह सूचकांक सरकारी एजेंसियां बनाती हैं.

एयर क्वालिटी इंडेक्स (AQI)

AQI को छह श्रेणियों में बांटा गया है.

- AQI की वैल्यू जितनी ज़्यादा होगी, वायु प्रदूषण का स्तर उतना ही ज़्यादा होगा और सेहत को उतना ही ज़्यादा खतरा होगा.
- AQI स्तर से पता चलता है कि वायु प्रदूषण बढ़ रहा है या घट रहा है.

एयर क्वालिटी इंडेक्स (AQI)

AQI को छह श्रेणियों में बांटा गया है.

- AQI स्तर से यह भी पता चलता है कि वायु प्रदूषण से स्वास्थ्य को क्या नुकसान हो सकता है.
- AQI को चार प्रमुख वायु प्रदूषकों के आधार पर कैलकुलेट किया जाता है. ये प्रदूषक हैं - ग्राउंड लेवल ओजोन, पार्टिकल पॉल्युशन, कार्बन मोनोऑक्साइड, और सल्फ़र डाइऑक्साइड.

एयर क्वालिटी इंडेक्स (AQI)

AQI को छह श्रेणियों में बांटा गया है.

AQI स्तर के मुताबिक, लोगों को कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए:

- जब AQI बढ़ जाता है, तो लोगों को बाहर मास्क पहनने और घर के अंदर एयर प्यूरीफ़ायर का इस्तेमाल करने की सलाह दी जाती है.
- बच्चों, बुज़ुर्गों, और श्वसन या हृदय रोग से पीड़ित लोगों को लगातार और ज़्यादा तीव्रता वाले बाहरी व्यायाम से बचना चाहिए.

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

प्रश्न: निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. हनोई, वियतनाम की राजधानी है और यह शहर दक्षिण-पूर्व एशिया की मौजूदा राजधानियों में सबसे पुरानी है।

2. वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) को चार प्रमुख वायु प्रदूषकों के आधार पर मापा जाता है, जो ग्राउंड लेवल ओजोन, पार्टिकल पॉल्युशन, कार्बन मोनोऑक्साइड और सल्फ़र डाइऑक्साइड हैं।

3. हनोई में वायु प्रदूषण के प्रमुख कारणों में वाहनों का उत्सर्जन, औद्योगिक गतिविधियां और कचरा जलाना शामिल हैं।

कूट:

(A) केवल 1 और 2 सही हैं

(B) केवल 2 और 3 सही हैं

(C) केवल 1 और 3 सही हैं

(D) 1, 2 और 3 सभी सही हैं

धोलावीरा की खोज ?-

Thank You

Result Mitra